तापमान
अधिकतम 37 .0 डिग्री
न्यूनतम 18 .0 डिग्री

हरिभूमि
# सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 1 जून 2026

9 भोगीपुर में पंचधुनी तपस्या पूर्ण होने पर लगाया भंडारा

10 हस्ताक्षर कर सामाजिक जिम्मेदारी का किया निर्वहन

## खबर संक्षेप

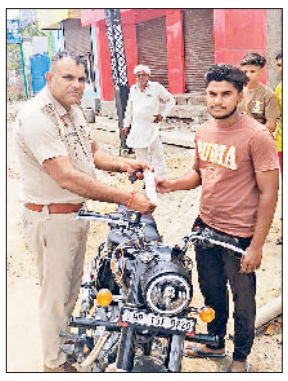

### पटाखे फोड़ने वाली बुलेट का 22 हजार का चालान

**खरखौदा।** यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में रविवार को ट्रैफिक इंचार्ज एसआई राजेश कुमार ने दिल्ली मार्ग पर एक बुलेट मोटरसाइकिल का 22 हजार रुपये का चालान किया। जांच के दौरान चालक कई यातायात नियमों का उल्लंघन करता पाया गया। उसके पास न तो ड्राइविंग लाइसेंस था और न ही वाहन का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) मौजूद था। इसके अलावा वह बिना हेलमेट के वाहन चला रहा था। मोटरसाइकिल पर तीन लोग सवार थे, जो यातायात नियमों के विरुद्ध है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि बुलेट मोटरसाइकिल में पटाखा साइलेंसर लगा हुआ था, जिससे अत्यधिक शोर उत्पन्न हो रहा था और ध्वनि प्रदूषण फैल रहा था। इन सभी उल्लंघनों को ध्यान में रखते हुए वाहन का 22 हजार रुपये का चालान किया गया। ट्रैफिक इंचार्ज एसआई राजेश कुमार ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

### गोदाम से इलेक्ट्रॉनिक का सामान चोरी

**सोनीपत।** कुंडली क्षेत्र स्थित एक गोदाम से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी होने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने पर कुंडली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।गुरुग्राम के सेक्टर-67 निवासी कुलदीप सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह एईसीसी कंपनी में मुख्य एडमिन के पद पर कार्यरत हैं। कंपनी द्वारा कुछ कार्यालय खाली किए जाने के बाद वहां का सामान सुरक्षित रखने के लिए कुंडली स्थित गोदाम में रखा गया था।26 मई को कंपनी के कर्मचारी गोदाम से सामान लेने पहुंचे तो वहां रखा सामान बिखरा मिला और कई उपकरण गायब थे। जांच करने पर पता चला कि गोदाम से 24 कंप्यूटर स्क्रीन, सीपीयू, चार यूपीएस, चार एलईडी टीवी तथा चार पीसीबी कार्ड चोरी हो चुके थे।कंपनी स्तर पर चोरी हुए सामान की तलाश की गई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को शिकायत दी गई। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

### मिशन एडमिशन : स्नातक दाखिलों के लिए पंजीकरण बंद

# यूजी दाखिलों में विद्यार्थियों की बेरुखी कॉलेजों में 50% से ज्यादा सीटें खाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले के महाविद्यालयों में स्नातक कक्षाओं में दाखिले के लिए चल रही ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया रविवार को समयावधि पूरी होने के साथ बंद हो गई। विद्यार्थियों की सहायता के लिए रविवार को अवकाश होने के बावजूद महाविद्यालयों में हेल्प डेस्क खुले रहे, जबकि अधिकांश महाविद्यालय दाखिले के लिए 50 प्रतिशत पंजीकरण का आंकड़ा भी पूरा नहीं कर पाए। उधर 12वीं का परीक्षा परिणाम जारी हुए करीब 18 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अधिकतर विद्यार्थी दाखिले को लेकर खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। यही कारण है कि 7 मई से चल रही पंजीकरण प्रक्रिया की रफ्तार काफी धीमी रही। उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने स्नातक कक्षाओं में दाखिलों के लिए 7 मई को पोर्टल खोलकर पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की थी। यूजी कोर्स के लिए निर्धारित तिथि 31 मई होने के चलते रविवार को पंजीकरण का अंतिम दिन रहा। ऐसे में विद्यार्थियों के लिए अधिकांश महाविद्यालयों में हेल्प डेस्क सुविधा जारी रही। यहां नोडल अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों के पंजीकरण करवाए। इसके बावजूद अधिकांश महाविद्यालयों में केवल 40 से 45 प्रतिशत सीटों पर ही ऑनलाइन पंजीकरण हो पाया है। ऐसे में सीटें भरने के लिए इस बार भी महाविद्यालयों का फोकस ओपन काउंसलिंग पर रहेगा। पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान ज्यादातर विद्यार्थी केवल विषयों, फीस और दस्तावेज संबंधी जानकारी लेकर वापस लौट गए। वहीं कई विद्यार्थियों का रुझान बड़े संस्थानों की ओर भी बना हुआ है।

- 11 जून को पहली फाइनल कटऑफ, 15 तक फीस जमा करवा सकेंगे

सोनीपत। हिंदू महाविद्यालय में हेल्प डेस्क पर जानकारी लेते अभिभावक व छात्र।

### 15 से पढ़ाई शुरू करने का लक्ष्य

उच्चतर शिक्षा निदेशालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को दाखिला प्रक्रिया के लिए एक समान डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना और पारदर्शी तरीके से महाविद्यालयों में प्रवेश दिलाना है। जिले के 23 प्रमुख राजकीय, निजी और एडिड महाविद्यालयों में इस वर्ष 13,530 सीटों का ब्योरा पोर्टल पर अपलोड किया गया है। इनमें नौ कन्या महाविद्यालय भी शामिल हैं। निदेशालय ने इस बार 12वीं का परीक्षा परिणाम जारी होने से पहले ही 7 मई से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू कर दी थी।

ऑनलाइन पंजीकरण के बाद 11 जून को पहली फाइनल कटऑफ जारी की जाएगी, ताकि विद्यार्थी 15 जून तक फीस जमा करवाकर महाविद्यालयों में पढ़ाई शुरू कर सकें। उधर महाविद्यालयों के लिए सीटें भरना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है, जबकि जिले में सीबीएसई और हरियाणा शिक्षा बोर्ड से इस बार करीब 21,203 विद्यार्थियों ने 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

### सीटें रिक्त होने पर 25 जून को फिर खुलेगा पोर्टल

महाविद्यालयों में 1 जून तक विद्यार्थी दाखिले संबंधी कोई बदलाव करवाना चाहते हैं तो करवा सकते हैं। शेड्यूल के अनुसार 1 से 6 जून तक विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद 8 जून को पहली मेरिट सूची के लिए योग्य आवेदकों की सूची जारी होगी। यदि पहली मेरिट सूची के बाद सीटें खाली रह जाती हैं तो दूसरी मेरिट सूची 17 जून को जारी की जाएगी। दूसरी मेरिट सूची के बाद 22 जून तक विद्यार्थी फीस जमा करवाकर अपना दाखिला सुनिश्चित कर सकेंगे। दो मेरिट सूचियां जारी होने के बाद भी यदि सीटें रिक्त रहती हैं तो 24 जून से काउंसलिंग शुरू होगी और 25 जून को एक बार फिर पोर्टल खोला जाएगा।

### अभी शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं

महाविद्यालयों में यूजी कोर्स में दाखिला लेने के लिए निर्धारित पंजीकरण अवधि रविवार को समाप्त हो चुकी है। विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए रविवार को भी हेल्प डेस्क खुला रखा गया। फिलहाल उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया है। अब दाखिलों के लिए पहली मेरिट सूची की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके बाद शेष सीटों पर दूसरे चरण में दाखिले सुनिश्चित किए जाएंगे।
-डॉ. सीमा गर्ग, प्राचार्य, हिंदू कॉलेज, सोनीपत

# रेत खनन के विरोध करने पर भाइयों पर हमला, एक की आंख पर चोट लगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- दोनों भाइयों को अस्पताल में कराया गया भर्ती, एक पीजीआई रेफर, तीन पर केस दर्ज

गांव गढ़ी असदपुर में खेत से रेत निकालने का विरोध करने पर दो भाइयों के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में एक युवक की आंख गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि उसका भाई भी घायल हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गढ़ी असदपुर निवासी मोनू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई सोनू 20 मई को खेत में गया था। वहां कुछ लोग उनके खेत से रेत निकाल रहे थे।

सोनू ने इसका विरोध किया और रेत निकालने से मना किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। मोनू के अनुसार आरोपियों ने उसके भाई सोनू के साथ मारपीट की। जब वह भाई की मदद के लिए मौके पर पहुंचा तो उसके साथ भी मारपीट की गई। घटना में दोनों भाई घायल हो गए और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद सोनू कुछ समय तक लापता रहा। रातभर तलाश करने के बाद वह अगले दिन सुबह खेत में घायल अवस्था में मिला। उसे पहले नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए पीजीआई रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार हमले में उसकी एक आंख गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संजू, काला और एक महिला के खिलाफ केस दर्ज किया है।

### खाटू श्याम मंदिर में श्याम जन्मोत्सव 4 को

**सोनीपत।** रोहतक रोड स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर सोनीपत धाम में चौथे श्री श्याम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 4 जून को भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। श्री खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट, श्री खाटू श्याम चुलकाना धाम सेवा मंडल और सोनीपत धाम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। जन्मोत्सव के अवसर पर 4 जून, वीरवार को सुबह 8:15 बजे श्री श्याम निशान यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा शंभू दयाल स्कूल स्थित मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर श्री खाटू श्याम मंदिर सोनीपत धाम तक पहुंचेगी। श्रद्धालु हाथों में निशान लेकर यात्रा में जाएंगे।

### खेवड़ा की मुस्कान ने एशियाई चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

**सोनीपत।** जिले के गांव खेवड़ा की युवा धाविका मुस्कान आंतिल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश, प्रदेश और जिले का नाम रोशन किया है। हांगकांग में आयोजित प्रतियोगिता की 5000 मीटर दौड़ में मुस्कान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मुस्कान की इस उपलब्धि से गांव खेवड़ा सहित पूरे जिले में खुशी का माहौल है। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली मुस्कान के पिता मुकेश आंतिल और माता कविता ने सीमित संसाधनों के बावजूद बेटी के सपनों को पूरा करने में हरसंभव सहयोग दिया। वर्तमान में वह राजीव गांधी खेल परिसर, सेक्टर-4 में प्रशिक्षक संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही हैं। मुस्कान इससे पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर कई स्वर्ण और कांस्य पदक जीत चुकी हैं। खेलो इंडिया युवा खेल, राष्ट्रीय स्कूल एथलेटिक्स चैंपियनशिप और राष्ट्रीय जूनियर प्रतियोगिताओं में उनके प्रदर्शन ने उन्हें पहचान दिलाई।

# एजुकेशन सिटी के लिए अधिग्रहित जमीन को लेकर किसानों में रोष

**सोनीपत।** गांव असावरपुर में राजीव गांधी एजुकेशन सिटी के लिए अधिग्रहित जमीन के प्रभावित किसानों ने एकत्रित होकर सरकार के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। किसानों ने आरोप लगाया कि जमीन अधिग्रहण के समय उन्हें एक माह के भीतर प्लॉट देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। किसानों का कहना है कि 24 मार्च को एचएसवीपी द्वारा कुछ जमीन पर कब्जा लेने के लिए कार्रवाई का प्रयास भी किया गया था, जिसका उन्होंने विरोध किया। किसानों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन शुरू करेंगे और राजीव गांधी एजुकेशन सिटी को पूरी तरह बंद कराने की दिशा में कदम उठाएंगे। इस अवसर पर प्रधान राजपाल, रामबीर कौशिक, सुनील, रमेश आंतिल, चरण सिंह, किरणपाल, ताहर सिंह, बिल्लू व अन्य मौजूद रहे।

# नशामुक्ति के संदेश के साथ सड़कों पर उतरे युवा

**सोनीपत।** शहर को स्वस्थ और नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'फिट सोनीपत, नशा मुक्त सोनीपत' अभियान के तहत रविवार को दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

- 'फिट सोनीपत, नशा मुक्त सोनीपत' अभियान के तहत दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर निगम के मेयर राजीव जैन ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर मेयर राजीव जैन ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों और स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और फिट समाज ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला होता है। दौड़ प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ नशे के खिलाफ जनजागरण फैलाना है।

प्रतियोगिता के दौरान युवाओं ने 'गोमाता की जय', 'फिट सोनीपत' और 'नशा मुक्त सोनीपत' के नारे लगाते हुए लोगों को जागरूक किया। मेयर ने कहा कि नशे की लत परिवार और समाज दोनों को नुकसान पहुंचाती है। युवा शक्ति को अपने विकास और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए, न कि नशे जैसी बुराइयों की ओर बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया गया। प्रतियोगिता में पंकित सिंह, आजाद, भारत, दीपक सैनी, वीरेंद्र, रजत, राहुल, दिनेश, विकास, आकाश, हिमांशु, शशि, तरुण, प्रवेश, अमन, अमित सरोहा और अनिल सैनी सहित अनेक युवाओं ने भाग लिया।

# पुलिस कर्मियों ने किया योगाभ्यास

**सोनीपत।** पुलिस आयुक्त ममता सिंह के निर्देशानुसार पुलिस लाइन सोनीपत में विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना तथा उन्हें तनावमुक्त कार्यशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में योग विशेषज्ञों ने पुलिसकर्मियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया। इस दौरान सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम, कपालभाति और भ्रामरी प्राणायाम पर विशेष जोर दिया गया। योग प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से मानसिक तनाव कम होता है, एकाग्रता बढ़ती है तथा शरीर स्वस्थ और ऊर्जावान बना रहता है।

# थाना कलां के खेतों में 15 लाख से बनेगी सड़क

**खरखौदा।** उपमंडल के गांव थाना कलां में खेतों के रास्तों को पक्का करने के लिए विधायक पवन खरखौदा ने नारियल तोड़कर कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। गांव में विकास कार्य करवाने के लिए एस्टीमेट बनाकर लाओ और गांव में विकास कार्य करवाओ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि जब गांव विकसित नहीं होंगे तो देश अपने आप विकसित होगा। उन्होंने 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है, उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारें विकास के नाम पर जनता को बरगलाती रहीं हैं। इसके विपरित जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है, तब से विकास कार्य तीन गुना तेजी से किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि थाना कलां के खेतों के रास्तों को 15 लाख रुपए से पक्का किया जाएगा।

खरखौदा। सड़क निर्माण का शुभारंभ करते विधायक।

# सचिन कौशिक देश सेवा को समर्पित, लेफ्टिनेंट बनकर गांव भूरी पहुंचने पर जोरदार स्वागत

2022 में एनडीए में 239 रैंक हासिल किया था, 29 मई को हुई पासिंग आउट परेड

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

गन्नौर। सचिन कौशिक को सम्मानित करते भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बड़ौली।

गांव भूरी के युवा सचिन कौशिक ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने फूल-मालाओं, ढोल-नगाड़ों और जयघोष के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान सचिन ने गांव की परिक्रमा कर बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया और अपनी जन्मभूमि की मिट्टी को नमन किया। गांव के पीएम पब्लिक स्कूल में आयोजित सम्मान समारोह में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, जिला अध्यक्ष अशोक कुमार भारद्वाज, सरपंच रामरूप कौशिक, दीपक कामी, स्कूल निदेशक संजीव कौशिक, नवीन कौशिक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। लेफ्टिनेंट सचिन कौशिक ने बताया कि कोविड काल में कोचिंग संस्थान बंद होने के कारण उन्होंने यूट्यूब और ऑनलाइन माध्यमों से तैयारी की। कड़ी मेहनत के बल पर उन्होंने पहले ही प्रयास में एनडीए परीक्षा उत्तीर्ण कर ऑल इंडिया 239वीं रैंक प्राप्त की।

वर्ष 2022 में एनडीए में चयन के बाद उन्होंने तीन वर्ष का सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया और 29 मई को पासिंग आउट परेड के साथ भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने। उन्होंने युवाओं से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि देश सेवा का अवसर मिलना उनके लिए गर्व की बात है और वह पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

# गढ़ी केसरी में सड़क पर दूषित पानी भरने से ग्रामीणों में रोष

**गन्नौर।** गांव गढ़ी केसरी में राजकीय माध्यमिक विद्यालय के सामने सड़क पर दूषित पानी जमा होने से स्थानीय लोगों, विद्यार्थियों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई दिनों से सड़क पर गंदा पानी भरा होने के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाले की नियमित सफाई नहीं होने से दूषित पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर फैल रहा है। विद्यालय के सामने से गुजरने वाले इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, वाहन चालक और ग्रामीण आवागमन करते हैं, लेकिन सड़क पर पानी भरे होने से लोगों को गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से पानी जमा रहने के कारण क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है, जिससे संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। विद्यालय के आसपास फैली गंदगी और बदबू से विद्यार्थियों तथा स्थानीय निवासियों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है।ग्रामीणों ने नगरपालिका प्रशासन से नाले की सफाई करवाने और पानी निकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो समस्या और गंभीर हो सकती है।

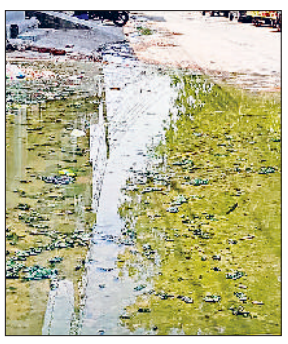

# परवीन मदान चेयरमैन, दिनेश खत्री वाइस चेयरमैन निर्वाचित

### सीएमए सोनीपत चैप्टर में सर्वसम्मति से चुनाव

**सोनीपत।** नॉर्दर्न इंडिया रीजनल काउंसिल ऑफ कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स (सीएमए) के सोनीपत चैप्टर की वार्षिक आम सभा (एजीएम) का आयोजन चैप्टर कार्यालय में किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया तथा चैप्टर की भावी गतिविधियों और सदस्य हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। सभा के दौरान कोषाध्यक्ष सीएमए पवन कुमार ने वर्ष 2025-26 का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए चैप्टर की वित्तीय स्थिति और वर्षभर की गतिविधियों की जानकारी दी। इसके बाद संपन्न चुनाव प्रक्रिया में सीएमए परवीन मदान को चेयरमैन, सीएमए दिनेश खत्री को वाइस चेयरमैन तथा सीएमए पवन कुमार को सचिव-सह-कोषाध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे चैप्टर की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा सदस्यों के व्यावसायिक विकास के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जागरूकता अभियानों और पेशेवर गतिविधियों को बढ़ावा देने का भी संकल्प लिया। बैठक में संगठन के विस्तार, व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों और प्रशिक्षण गतिविधियों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर सीएमए जितेंद्र अग्रवाल, सीएमए अतुल खट्टर, सीएमए सुमीत कुमार, सीएमए मोहित शर्मा, सीएमए सुरेंद्र गोयल सहित चैप्टर के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

*जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।*
*- मुंशी प्रेमचंद*

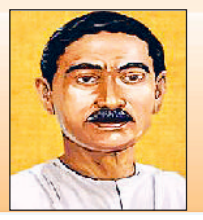

कहानी

पवन गहलोत

# आंखों की जलन

**एक पल के लिए उसने सोचा कि काश वह उसे बीड़ी पीने के लिए मना कर देता, क्योंकि जब से उसने वह धुआं झेला है, तब से उसे आंखों में लगातार जलन महसूस हो रही है।**

*स्कूल जाने वाले बच्चे जब उसकी तरफ देखते तो वह भी मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखता। कभी-कभार कोई बच्चा जब उसकी ओर हाथ हिलाता तो वह भी हाथ हिलाते हुए आत्मिक संतुष्टि से भर जाता।*

जनवरी महीने की ठिठुरती ठण्ड में सुबह पांच बजे ही वह शहर के चौराहे के पुल के नीचे खम्भे के पास अपने ठिकाने पर पहुंच गया। वहां पहुंचने के बाद जब वह अपने कंधे पर टंगा औजारों का थैला जमीन पर रखने के लिए झुका तो जमीन पर बहुत सारे बीड़ी के टुकड़ों और माचिस की जली हुई तीलियों को देखकर वह अचरज में पड़ गया। अपने कंधों को उचकाते हुए वह सोचने लगा कि ये इतने सारे बीड़ी के टुकड़े आखिर यहां पर आए कैसे। दिमाग पर काफी जोर डालने के बाद भी वह कुछ भी याद नहीं कर पा रहा था। बीड़ी के टुकड़ों और माचिस की जली हुई तीलियों के अलावा वहां पर प्लास्टिक की कुछ थैलियां भी इकट्ठा हो गई थी। ऐसा शायद पिछली रात आंधी आने के कारण हुआ होगा - वह अनुमान लगाने लगा।

अपने ठिकाने पर फैले उस ढेर सारे कूड़े को देखकर वह एक पल के लिए हौले से मुस्कुराया और धीमे-धीमे कदमों से सड़क के किनारे की ओर चल दिया। वहां पर एक दुकान के सामने नाली के ढक्कन की ओट में रखी एक टूटी-सी झाड़ू को उठाया और फिर से धीमे-धीमे कदमों से चलते हुए अपने ठिकाने पर वापस आ गया। असल में कुछ तिनकों का गुच्छा भर वह झाड़ू खुद कूड़े जैसी लग रही थी। लेकिन उसने उसे कई दिनों से कूड़ा साफ करने के लिए संभालकर रखा हुआ था। उस टूटी-सी झाड़ू से जमीन की सफाई करने में उसे लगभग पैंतीस-चालीस मिनट लग गए। भले ही देरी से हो, लेकिन लगातार जुटे रहने से काम आखिर हो ही जाता है। झाड़ू लगाने के बाद इकट्ठे हुए कचरे को उठाकर वह सड़क के दूसरे किनारे पर रखे कूड़ेदान में डाल आया। बुढ़ापे में कमजोर शरीर होने के कारण वह काफी थक गया था। क्योंकि उसकी दुकानदारी का समय शुरू होने वाला था इसलिए सफाई करने के बाद उसने सोचा कि अगर वह झाड़ू को वापस सड़क के किनारे दुकान के सामने नाली के ढक्कन की ओट में रखने जाएगा तो उसे काफी समय लग जाएगा। इसलिए उसने उस तिनकों वाली झाड़ू को वहीं खम्भे के पास ही रख दिया। उसका कुर्ता पसीने से लगभग पूरा भीग चुका था। अपने शरीर से चिपके पसीने से तर कुर्ते को उसने अपने सीने से थोड़ा ऊपर उठाया। जब उसमें से सुबह की ठण्डी-ठण्डी हवा गुजरी तो उसने थोड़ी राहत की सांस ली। इसके बाद अपनी मुड़ी हुई कमर पर दोनों हाथ रखकर उसे सीधा करने का प्रयास करने लगा। ऐसा करने से उसे थोड़ा-सा आराम मिलने का आभास हुआ। इसके बाद अपने थैले से उसने मोटे-से कपड़े का एक टुकड़ा निकाला और उसे वहीं खम्भे के साथ बिछा दिया।

इसके बाद अपने थैले से एक-एक करके औजारों और अन्य सामानों को निकाला और उन्हें वहीं पर ईंटों के बने हुए एक छोटे-से चबूतरे पर तरतीब के साथ खंभे से अपनी पीठ टिकाकर उस मोटे-से कपड़े के ऊपर बैठ गया। अपनी जूते मरम्मत एवं पॉलिश की दुकान सजाने के बाद उसने ऊपर आसमान की ओर देखना चाहा, लेकिन पुल होने की वजह से उसे आसमान नजर नहीं आया। वैसे तो वह एक व्यस्त चौराहा था, लेकिन अभी लोगों का आना-जाना शुरू नहीं हुआ था। वह बड़े शांत मन से ग्राहकों का इंतजार करने लगा। अपनी जगह पर बैठा वह सुबह-सुबह सड़क से गुजरने वाले लोगों को देख रहा था।

स्कूल जाने वाले बच्चे जब उसकी तरफ देखते तो वह भी मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखता। कभी-कभार स्कूल की किसी बस में बैठा कोई बच्चा जब उसकी ओर हाथ हिलाता तो बदले में उसकी ओर हाथ हिलाते हुए वह आत्मिक संतुष्टि से भर जाता। कुछ ही देर में उसे अपनी आंखों में जलन-सी महसूस हुई। पिछले कुछ दिनों से उसकी आंखों में कुछ तकलीफ है। कब से और किस वजह से है, इस बारे में उसे कुछ भी नहीं पता था। वह बार-बार याद करने का प्रयास करता कि आखिर उसकी आंखों को हुआ क्या है, लेकिन काफी सोचने पर भी वह सही ढंग से कुछ भी याद नहीं कर पा रहा था। दिमाग पर ज्यादा जोर ना डालने की मंशा से उसने इस बारे में सोचना छोड़ दिया और फिर से ग्राहकों का इंतजार करने लगा। लेकिन मन भला शांत कैसे रह सकता है। हमेशा कुछ-न-कुछ सोचते रहना ही तो स्वभाव है मन का। विचारों की गलियों में घूमते हुए उसे कल वाले ग्राहक का ख्याल आया। कल उसके पास एक व्यक्ति अपने जूतों की मरम्मत करवाने के लिए आया था। वह बिल्कुल भी जल्दी में नहीं था। उसे याद आया कि जब उसने उससे पूछा कि जूते कितनी देर में वापस चाहिए, तब उसने कहा था कि काम सही होना चाहिए, समय चाहे कितना भी लग जाए। इसके बाद जब तक वह उसके जूतों की मरम्मत करता रहा, तब तक वह लगातार बीड़ी पीता रहा। उसके बिल्कुल पास बैठे होने तथा हवा का रुख उसी की ओर होने के कारण बीड़ी का धुआं सीधे उसके चेहरे की ओर आ रहा था। अब क्योंकि वह ग्राहक था इसलिए उसने उसे कुछ नहीं कहा और चुपचाप उस तेज धुएं को झेलता रहा। एक पल के लिए उसने सोचा कि काश वह उसे बीड़ी पीने के लिए मना कर देता, क्योंकि जब से उसने वह धुआं झेला है, तब से उसे आंखों में लगातार जलन महसूस हो रही है। इसके साथ ही उसे सब कुछ धुंधला-सा नजर आने लगा है। फिर अगले ही पल उसके मन में ख्याल आया कि - नहीं ऐसा सोचना गलत है, ग्राहक भगवान होता है। हमें उसकी किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। विचारों के आकाश में विचरण हुए उसे पता ही नहीं चला कि कब सूरज ने अपनी किरणें धरती की ओर उछाल दी। उसने सोचा कि अब तो दिन चढ़ने लगा है कोई न कोई ग्राहक तो अब तक आ ही जाना चाहिए था। सुबह-सुबह अच्छा काम मिलने की मंशा से वह अपने ठिकाने पर सुबह जल्दी पहुंच जाता था, लेकिन अक्सर दोपहर तक भी उसको कोई ग्राहक नहीं मिलता। असल में अधिकतर लोगों को उसकी उम्र देख कर ऐसा लगता था कि वह अपने काम को सही ढंग से नहीं कर पाएगा।

सुबह के दस बज चुके थे। ग्राहकों के इंतजार में, अब तक कोई भी ग्राहक क्यों नहीं आया है, क्या सभी कंपनियां अच्छी गुणवत्ता के जूते बनाने लगी हैं या फिर आजकल लोगों ने जूतों की मरम्मत करवाना ही छोड़ दिया है - इसी तरह के तमाम विचारों की उधेड़बुन उसके मन में चलती रही। कुछ देर बाद जब उसे थोड़ी प्यास लगी तो वह पानी पीने के लिए अपनी जगह से उठ खड़ा हुआ और कुछ ही दूरी पर सड़क के किनारे लगी टंकी के पास जा पहुंचा। अपनी प्यास बुझाने के बाद लौटते समय वह फिर से ख्यालों की दुनिया में खो गया। उसे याद आया कि लगभग दो हफ्ते पहले जब वह पानी पीकर लौट रहा था तो उसे वहां पर एक मक्की बेचने वाला उदास खड़ा दिखाई दिया। पूछने पर उसने बताया कि पुलिस वाले ने सड़क के किनारे खड़ा होने पर उस पर जुर्माना लगा दिया था। अब जगह बदलने पर उसकी दुकानदारी में घाटा होगा। इस पर उसने बड़े अधिकारपूर्वक उससे अपने ठिकाने के पास खड़ा होने के लिए कह दिया था। उसने उसे बताया कि जिस खंबे के पास वह अपना ठिकाना बनाए हुए है, उसके दूसरी ओर की जगह काफी अच्छी है। वहां पर वह आसानी से खड़ा हो सकता है और वहां उसे कोई परेशान भी नहीं करेगा।

उसकी बात मानकर वह मक्की बेचने वाला उसके पास आ गया और खंभे के दूसरी ओर उसने अपना ठिकाना बना लिया। वह पूरे दिन मक्की बेचता। ग्राहक उससे हमेशा गर्म मक्की की मांग करते। ग्राहकों की मांग पर वह अपनी छोटी-सी भट्ठी पर मक्की गर्म करने लगता। जब वह मक्की को भट्ठी पर गर्म करता तो भट्ठी से उठने वाला धुआं खंभे के दूसरी ओर उड़ने लगता। पानी पीने के बाद अपने ठिकाने पर लौटते समय उसने खंभे की दूसरी ओर देखा तो वहां पर वह मक्की बेचने वाला अभी तक भी नहीं पहुंचा था। वह अपने ठिकाने पर आकर बैठा ही था कि उसे अपनी आंखों में फिर से जलन महसूस हुई। अपनी आंखों को मलते हुए वह फिर से विचारों की दुनिया में खो गया।

उधर वह अपने विचारों में खोया हुआ था, इधर वह मक्की बेचने वाला अपने नए ठिकाने पर पहुंच चुका था। कुछ ही देर में उसे एक व्यक्ति उसी की ओर आता हुआ दिखाई दिया। उस व्यक्ति को उम्मीद भरी नजरों से निहारते हुए उसने जूते मरम्मत के औजारों को देखकर मन ही मन सोचा कि - चलो बोहनी तो हुई। अगर दिन भर में आठ-दस ग्राहक भी आ जाएं तो मेरा काम आसानी से चल जाए। सोचते हुए वह जूते मरम्मत के औजारों की ओर देखने लगा। लेकिन उसे सब बहुत आश्चर्य हुआ, जब वह आदमी उसकी ओर ना ठहरकर उस मक्की वाले के पास जाकर रुक गया। उसने उस मक्की वाले से एक ताजा भुनी हुई मक्की मांगी। उसने मक्की को छोटी-सी भट्ठी पर रखा और भट्ठी को सुलगाने लगा। भट्ठी से उड़ता हुआ धुआं खंभे के दूसरी ओर पहुंच रहा था।

खंभे के दूसरी ओर बैठा वह बुजुर्ग व्यक्ति अपनी आंखों को मलते हुए सोच रहा था - चलो कोई बात नहीं, मेरी न सही कम से कम साथ वाले की बोहनी तो हुई। धुएं के कारण उसकी आंखों की जलन बढ़ने लगी थी। अपनी आंखों को मलते हुए वह याद करने का प्रयास करते हुए मन ही मन बुदबुदा रहा था - 'समझ में नहीं आ रहा कि आंखों में यह कम्बख्त जलन आखिर कब से होने लगी है....'

पुस्तक समीक्षा

## पठनीय है डिजिटल पेरेंट्स परफेक्ट नहीं, प्रेजेंट बनें

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

पुस्तक 'डिजिटल पेरेंट्स : परफेक्ट नहीं, प्रेजेंट बनें-के लेखक मूल रूप से एक शिक्षक हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अपने गहरे अनुभव के आधार पर , वे आधुनिक पेरेंटिंग की चुनौतियों को करीब से समझते हैं। लेखक का उद्देश्य माता- पिता और बच्चों के उस टूटते हुए पुल को फिर से बनाना है, जिसे डिजिटल दुनिया ने कमजोर कर दिया है। यह पुस्तक 10 डिग्री की डिजिटल सुरंग से 180 डिग्री के खुले आसमान तक की पेरेंटिंग पर ध्यान आकर्षित करती है। ड्रीम बुक पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक आजकल के युवाओं की कृतिम एल्गोरिदम पर प्रकाश डालती है। लेखक के अनुसार पंद्रह सेकंड की रील्स ने युवाओं की एकाग्रता का अकाल ला दिया है। सोशल मीडियाके हजारों मित्रों के बीच भी हमारा बच्चा एक वास्तविक अकेलेपन से जूझ रहा है। इस पुस्तक को मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा गया है। प्रथम- 10 डिग्री डिजिटल टनल, द्वितीय- 180 डिग्री ब्रांड विजन और तृतीय 10 डिग्री की डिजिटल सुरंग से 180 डिग्री ब्रांड विजन तक। यह किताब पेरेंटिंग की कोई रूरूलबुकर नहीं है, क्योंकि सच तो यह है किपरफेक्ट पेरेंट जैसी कोई चीज इस दुनिया में होती ही नहीं है ।

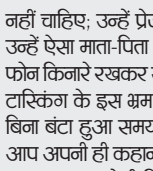

संदीप विद्यार्थी

लेखक

यह किताब एक जागृति है। यह इस बात की याद दिलाती है कि हमारे बच्चों को परफेक्ट माता-पिता नहीं चाहिए; उन्हें प्रेजेंट (उपस्थित) माता-पिता चाहिए। उन्हें ऐसा माता-पिता चाहिए जो डिनर टेबल पर अपना फोन किनारे रखकर उनकी आँखों में देख सके, जो मल्टी टास्किंग के इस भ्रम से बाहर निकलकर उन्हें अपना बिना बंटा हुआ समय दे सके। इस किताब के पन्नों में आप अपनी ही कहानी पाएंगे। यह पुस्तक आपको सोच पर मजबूर करेगी कि कहीं आपकी परवरिश आपके अपने 'डर' से परे नहीं है? यह आपको सिखाएगी कि कैसे बच्चों को छोटे-छोटे संघर्ष करने दें ताकि उनका असली आत्म-सम्मान विकसित हो सके। पुस्तक में लेखक ने वर्तमान में प्रचलित अंग्रेजी के आम बोलचाल वाले शब्दों का इस्तेमाल किया है। ऐसा शायद पाठकों की सुविधा के लिए ही किया गया है ताकि वर्तमान पीढ़ी हिन्दी के कठिन और बोझिल शब्दों के अर्थ के फेर में न पड़े और आसानी से लेखन के मर्म को समझ पाए। पुस्तक करीब 240 पृष्ठों में है। इसके बावजूद पाठकों को बांधे रखने में सक्षम जान पड़ती है। हर विषय अभिभावकों और न्यू जेनरेशन के लिए एक मार्गदर्शिका का काम करता है और उन्हें अपनी सोच में बदलाव लाने को प्रेरित करता है। कुल मिलाकर लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय बन पड़ा है।

कवि कॉर्नर

कविता

आनंद शर्मा

### उसकी मोहब्बत

उसकी मोहब्बत
तेज बारिश-सी
और मैं...
शहरों की सड़कों-सा
डूबता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
कुटिल राजनीति-सी
और मैं...
भोली जनता-सा लुटता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
गंगा नदी-सी,
और मैं...
कूड़ा करकट समाता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
प्रगति-सी
और मैं...
पेड़ों-सा कटता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
महंगाई-सी
और मैं...
गरीब का बजट सिकुड़ता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
आधुनिकता-सी,
और मैं...
संस्कारों-सा मरता ही रहा।

कविता

सपना

### जो चाहा, वो मिला नहीं

जो चाहा वो मिला नहीं ।
जो मिला वो चाहा नहीं ।।

अजीब सी कश्मकश है ये जिंदगी ।
कुछ खोया भी नहीं और पाया भी नहीं ।।

ताउम्र गुजर गई समेटने में।
लेकिन जाएगा साथ कुछ भी नहीं ।।

न जाने कितनी उम्मीदें पालें हुए हैं सब ।
जबकि भरोसा अगले पल का भी नहीं ।।

जिस कल की सोच में आज डूबे हैं सब ।
उस कल मेंशायद हम हैंभी नहीं ।।

किस "मैं" के अहं में है इंसान ।
औक़ात जिसकी एक रत्ती बराबर भी नहीं ।।

# गैस सिलेंडर अब नौकर नहीं, घर का दामाद

व्यंग्य

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

पुराने जमाने में सिलेंडर रसोई के एक अंधेरे कोने में चुपचाप पड़ा रहता था। उसकी हैसियत घर के उस पुराने नौकर जैसी थी, जो बिना शिकायत किए सालों-साल सेवा करता रहता है। उस वक्त गृहिणियां उस पर पैर रखकर ऊंचे डिब्बे उतारती थीं या कभी-कभी उस पर बेलन पटककर अपनी नाराजगी जाहिर कर दिया करती थीं। लेकिन वक्त बदला और वक्त के साथ सिलेंडर की 'किस्मत' ऐसी चमकी कि आज वह रसोई का 'अन्नदाता' कम और ड्राइंग रूम का 'दामाद' ज्यादा नजर आने लगा है। उसकी कीमत और इज्जत अब उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां उसे 'रिफिल' कराते समय घर के बुजुर्ग वैसे ही भावुक हो जाते हैं, जैसे बिटिया की विदाई पर होते हैं।

### विदाई की रस्म और स्वागत का उल्लास

जब सिलेंडर खाली होता है, तो घर के माहौल में एक अजीब सी 'अघोषित शोक सभा' छा जाती है। गृहिणी हिला-हिलाकर उसकी अंतिम सांसें चेक करती है और जब वह जवाब दे जाता है, तो घर का मुखिया उसे दरवाजे तक ऐसे छोड़ने जाता है, जैसे किसी प्रियजन को रेलवे स्टेशन पर विदा करने जा रहा हो। वहीं दूसरी ओर, जब नया 'भरा हुआ' सिलेंडर घर की दहलीज पर कदम रखता है, तो घर के बच्चों से लेकर बड़ों तक के चेहरे खिल जाते हैं। डिलीवरी वाले भैया का स्वागत किसी 'राजदूत' की तरह किया जाता है। उन्हें चाय-पानी के लिए ऐसे पूछा जाता है, मानो वह सिलेंडर नहीं बल्कि घर के लिए कोई बहुत बड़ा 'शुभ समाचार' लेकर आए हों। मोहल्ले वाले भी तिरछी नजरों से देखते हैं कि— 'वाह! इनके घर तो नया सिलेंडर आया है, जरूर कोई बड़ा हाथ मारा होगा।'

### सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 'तिजोरी' का मोह

आज के दौर में लोग सिलेंडर को किचन में नहीं, बल्कि उसे अपनी 'तिजोरी' या बेडरूम के पास रखते हैं। डर यह नहीं कि कोई उसे उठा ले जाएगा, डर यह है कि कहीं उसकी कीमती गैस 'लीक' होकर पड़ोसी की नाक तक न पहुंच जाए। पड़ोसी भी अब कम चालाक नहीं हैं। पहले वे खुशबू सूंघकर बताते थे कि— 'आज तो आपके घर शाही पनीर बना है।' लेकिन अब अगर गैस की हल्की सी गंध भी पड़ोस में चली जाए, तो घर का मालिक फौरन खिड़कियां बंद कर लेता है, कहीं पड़ोसी उस गंध के जरिए 'फ्री में' गैस का आनंद न ले ले। लोग अब सब्जी में तड़का लगाने से पहले घर के दरवाजे ऐसे बंद करते हैं, मानो कोई 'गोपनीय परमाणु परीक्षण' करने जा रहे हों। वह दिन अब दूर नहीं लगता जब शादियों में दहेज के रूप में 'फॉर्च्यूनर' या 'प्लॉट' की जगह '5 भरे हुए सिलेंडर' मांगे जाएंगे। मध्यम वर्ग के घरों में अब सिलेंडर ड्राइंग रूम के सोफे के बगल में सजाकर रखा जाने लगा है। मेहमान जब घर आते हैं, तो मेजबान गर्व से सिलेंडर की ओर इशारा करते हुए कहता है— 'देख रहे हैं? एकदम 'ब्रांड न्यू' और फुल रिफिल है! कल ही ब्लैक में... मेरा मतलब है, बड़ी सिफारिश के बाद मिला है।'

लोग अब सोने के गहनों की फोटो इंस्टाग्राम पर नहीं डालते, बल्कि भरे हुए सिलेंडर के साथ सेल्फी लेकर 'फीलिंग रिच' का स्टेटस लगाते हैं।

### बजट में 'आग' लगाता मेहमान

निष्कर्ष यह है कि सिलेंडर अब सिर्फ रसोई की आग नहीं जलाता, बल्कि वह मध्यम वर्ग के मासिक बजट में भी 'आग' लगाता है। यह दुनिया का वह इकलौता मेहमान है जिसके घर आने पर 'खुशी' (खाना बनने की) और जेब खाली होने पर 'गम', दोनों एक साथ मिलते हैं। सिलेंडर की बढ़ती कीमत ने इसे एक ऐसी 'चल-अचल संपत्ति' बना दिया है, जिसे रिफिल कराना अब किसी निवेश से कम नहीं लगता।

आज का आम आदमी बस इसी दुआ में लगा रहता है कि- 'हे प्रभु! चाहे मेरी सेहत का मीटर धीमा चले, पर इस सिलेंडर की सुई जरा धीरे-धीरे नीचे गिरे।'

कुछ हटकर

## बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर में बनाएं करियर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर डिजाइन (बी.डिजाइन इंटीरियर डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आंतरिक स्थानों (**Interior Spaces**) की सौंदर्यात्मक, कार्यात्मक और तकनीकी डिजाइनिंग की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः स्पेस प्लानिंग, फर्नीचर डिजाइन, इंटीरियर मटेरियल्स, लाइटिंग डिजाइन, कलर थ्योरी, बिल्डिंग सर्विसेज, 3**D** विजुअलाइजेशन, ऑटो**CAD**, सस्टेनेबल डिजाइन, वास्तु तत्व, इंटीरियर स्टाइलिंग और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

### उद्योगों में महत्व

इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। आधुनिक घरों, कार्यालयों, होटल्स, मॉल्स, हॉस्पिटल्स में सौंदर्य, सुविधा और उपयोगिता का संतुलन इंटीरियर डिजाइनिंग के माध्यम से ही संभव होता है।

### विशेषज्ञताएं

- रेजिडेंशियल इंटीरियर डिजाइन
- कमर्शियल एवं ऑफिस स्पेस डिजाइन
- फर्नीचर एवं प्रोडक्ट डिजाइन
- लाइटिंग डिजाइन
- एक्सहिबिशन एवं सेट डिजाइन
- हॉस्पिटैलिटी एवं होटल
- इंटीरियर डिजाइन
- सस्टेनेबल एवं ग्रीन इंटीरियर डिजाइन
- 3**D** विजुअलाइजेशन एवं रेंडरिंग
- रिटेल एवं शोरूम डिजाइन
- लैंडस्केप एवं स्पेस स्टाइलिंग
- लक्जरी इंटीरियर डिजाइन

### आवश्यक कौशल

सिर्फ डिग्री ही नहीं, बल्कि रचनात्मक दृष्टिकोण, तकनीकी डिजाइनिंग कौशल और व्यावहारिक अनुभव ही इंटीरियर डिजाइन उद्योग में सफलता का आधार बनते हैं। आज का इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजाइन उद्योग सौंदर्य, कार्यक्षमता और आधुनिक तकनीक के संतुलन पर आधारित है।

### सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- सार्वजनिक निर्माण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विभाग
- स्मार्ट सिटी एवं सरकारी भवन परियोजनाएँ
- सार्वजनिक भवन डिजाइन एवं स्पेस प्लानिंग सहयोगी

**आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):**

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

### निजी क्षेत्र में विकल्प

इंटीरियर डिजाइन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग आज तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। रियल एस्टेट कंपनियाँ, आर्किटेक्चर फर्म्स, डिजाइन स्टूडियो, होटल उद्योग और लक्जरी ब्रांड्स ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता के साथ आधुनिक स्पेस विकसित कर सकें।

### उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन – इंटीरियर एवं स्पेस डिजाइन
- एम.बी.ए. इन डिजाइन मैनेजमेंट
- फर्नीचर एवं प्रोडक्ट डिजाइन में विशेषज्ञता
- सस्टेनेबल एवं ग्रीन बिल्डिंग डिजाइन कार्यक्रम

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

# सफल दिखने की दौड़ में खुश रहना भूल गए लोग

डॉ. रोहित बंसल

मोटिवेशनल स्पीकर

आजकल हर इंसान चाहता है कि बाकी सभी उसे सफल, धनवान और परफेक्ट समझें। अपनी असल जिंदगी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, वे अपनी 'ऑनलाइन इमेज' पर ज्यादा ध्यान देते हैं। कुछ लोग अपनी विदेश यात्रा या महंगी कार के बारे में बताते हैं तो दूसरे अपनी आलीशान जीवनशैली को दिखाते हैं। समाज का मानना हो गया है कि जितना अधिक आप दिखावा करेंगे, उतना अधिक आप सफल होंगे। हालांकि,सच्चाई इसके विपरीत है। बाहर से मुस्कुराते हुए चेहरे अंदर तनाव, मानसिक थकान और अकेलापन महसूस करते हैं। सफलता का पैमाना भी बदल गया है ,क्योंकि अधिक लोग इसे आर्थिक मापदंडों से देखने लगे हैं। लोग अपनी आवश्यकताओं को नजरअंदाज करते हैं और दूसरों को खुश करने के लिए जीते हैं। यही कारण है कि अधिक लोग अपने आप की तुलना दूसरों से करते हैं। लोग भूल जाते हैं कि सोशल मीडिया पूरी सच्चाई नहीं है। लोग खुशियों वाली बातें पोस्ट करते हैं। कोई भी उदास बातें नहीं पोस्ट करता। लदर्शक उस बनावटी 'खुशी' को महत्व देते हैं और दबाव महसूस करते हैं। इस मानसिक दबाव का सबसे ज्यादा बुरा असर युवाओं और बच्चों पर पड़ रहा है। वे सबसे बेहतर बनने की इच्छा रखते हैं। वे सोचते हैं कि यदि वे नया फोन खरीदते हैं या नाम ब्रांड कपड़े खरीदते हैं, तो उन्हें सफल माना जाएगा। जब लोग अपनी वास्तविक स्थिति को नियंत्रित नहीं कर पाते तो वो असुरक्षित हो जाते है। वे बनावटी खुशी दिखाते रहते हैं और खुद के साथ खुश रहने का तरीका भी भूल जाते हैं। वास्तव में खुशी और सफलता के बीच रिश्ता उतना सीधा नहीं, जितना समाज मान बैठा है। कई बार जिसे सफल माना जाता है, वह उदास हो सकता है और जो सरल जीवन जी रहा है, वह खुश हो सकता है। खुशियां वास्तव में समाज के विश्वास के विपरीत हैं। खुशियों का संबंध बाहरी दिखावे से नहीं हैं बल्कि मानसिक शांति और आत्म संतुष्टि से है। जो लोग दूसरों की राय की अत्यधिक चिंता करते हैं, वे हमेशा अपने मन की बात को सुनने में असमर्थ रहते हैं। सबसे अच्छी सफलता वह अवस्था है जिसमें खुशी और सफलता साथ रह सकते हैं।

लघु कथा

# सन्तोष सबसे बड़ा धन!

सुनील मिनोचा

कहानीकार

कन्हैयालाल व उनकी पत्नी सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त होकर शहर में ही अपने मकान में रहने लगे। एक बच्चा बाहर सेटल हो चुका था। लड़कियां विवाह पश्चात सैटल थीं। यूं सुबह- शाम पत्नी के साथ पार्क में सैर कर, मन को शांत रखते थे। अपनी ढलती आयु में इक्का- दुक्का काम समीप की मार्केट में स्वयं पैदल ही कर लेते थे। एक बार ऐसे ही कन्हैयालाल पैदल मार्केट से आ रहे थे। पीछे से एक स्कूटर चला रही स्त्री , जिसके एक बच्चे ने पीछे अपना छोटा दो- पहिया साइकिल हाथ में पकड़ रखा था, वह सड़क किनारे चलते हुए उनसे टकरा गया। कन्हैयालाल नीचे गिर गये। फिर स्त्री थोड़ा-सा रुकी, बचाव समझ के जल्दी चलती बनी। उन्होंने फोन कर पड़ोस वालों को और पत्नी को बुलाया। उठने में दर्द कुछ देर बाद महसूस होने से किसी ने समीप एक्सरे करवाने की सलाह दी। इसमें पता चला कि कूल्हे की हड्डी में फ्रेक्चर हो गया है। बेटे को बताया तो विदेश बैठे बच्चे ने किसी बड़े मशहूर डॉक्टर के अस्पताल से ईलाज की सलाह दी। ऐसा ही हुआ। सात लाख के करीब बिल बना। कुछ सरकारी तो कुछ अपना लगा। जब उनसे पूछा गया कि जिसने टक्कर मारी, उससे कुछ नहीं कहोगे? उनका जवाब था-मैंने पता लगाने की जरूरत नहीं समझी। मेरे कर्म में यही लिखा था। कोई बुरा कर्म कट गया।

कहते हैं -जान बच्ची तो लाखों पाए। लोकल बरह रही बेटियों ने खूब सेवा की। बेटे को भी बाहर से पूछने आना पड़ा। चाहे कुछ भी हो, सन्तोष सबसे बड़ा धन है। ऐसे ही एक अन्य घटना याद आती है। जब एक अन्य सेक्टर में एक सेवानिवृत्त इंजीनियर सुबह अपनी लड़की के साथ सैर कर रहा था। एक काम करने वाली लड़की ने ध्यान कहीं ओर होने से, पीछे से साइकिल से टक्कर मार दी। उसका पता नोट किया। फिर अस्पताल में लाखों का बिल बना, जो सरकार से मिल जाना था। उस गरीब काम वाली लड़की की कुछ दिन बाद शादी भी थीं। तब उससे कम से कम एक लाख वसूल कर चैन पड़ा। सबके मन में पैसे के प्रति भावना एक जैसी नहीं होती ।

## खबर संक्षेप

### ज्येष्ठ पूर्णिमा पर सतकुंभा धाम में उमड़े श्रद्धालु

**गन्नौर।** ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर सिद्धपीठ तीर्थ सतकुंभा धाम में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की और धर्म लाभ प्राप्त किया। सुबह से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था, जो देर शाम तक जारी रहा। बाबा सीताराम की छमाही के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं अहीरमाजरा के यादव परिवार द्वारा ठंडे पानी की छबील लगाई गई। सेवा कार्य में राजू यादव, टिंकू यादव व आशीष यादव सहित अन्य लोग जुटे रहे। इस दौरान पार्क निदान अस्पताल की ओर से निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। डा. रोहित ढाका ने बताया कि करीब 200 लोगों की शुगर, रक्तचाप सहित अन्य स्वास्थ्य जांच कर दवाइयां वितरित की गईं।

### गन्नौर प्रीमियर लीग का आगाज आज से

**गन्नौर ।** क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आरपीएस इवनिंग स्पोर्ट्स क्लब द्वारा गन्नौर प्रीमियर लीग 2026 का आयोजन 1 जून से 8 जून तक किया जाएगा। आयोजक गोविंद चौधरी ने बताया कि लीग में हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ सहित कई राज्यों की आठ टीमों में करीब 150 खिलाड़ी भाग लेंगे। विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता टीम को 70 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। रौनक पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल रजनी शर्मा ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करते हैं।

## आर्य समाज सेक्टर-14 में वैदिक आध्यात्मिक समारोह में उमड़ी भीड़

# यज्ञ, संध्या और उपासना से बच्चों को संस्कारित करने का दिया संदेश

**कार्यक्रम की सफलता में जिला वेद प्रचार मंडल के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह का सहयोग रहा**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

**सोनीपत।** आर्य समाज सेक्टर 14 में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

**सोनीपत।** गुड़ मंडी क्षेत्र में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकालते इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

आर्य समाज सेक्टर-14 एवं जिला वेद प्रचार मंडल सोनीपत के संयुक्त तत्वावधान में आर्य समाज परिसर में वैदिक आध्यात्मिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रधान रविन्द्र आर्य ने की, जबकि जिला वेद प्रचार मंडल के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह का विशेष सहयोग रहा। जोधपुर से आमंत्रित वैदिक विद्वान आचार्य वरुण देव आर्य के ब्रह्मत्व में यज्ञ-हवन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन संस्था महासचिव रविन्द्र कुकरेजा ने किया। मुख्य यजमान राजबीर मलिक एवं सुमन मलिक रहे।

यज्ञ के उपरांत आचार्य वरुण देव आर्य ने कहा कि मनुष्य जीवन परमेश्वर द्वारा कर्मों के आधार पर प्राप्त होता है। महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती ने समाज को 16 संस्कारों का ज्ञान दिया, जिनके माध्यम से माता-पिता और आचार्य बच्चों को सुसंस्कारी एवं आदर्श नागरिक बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि यज्ञ, संध्या, ध्यान, उपासना और स्वाध्याय के माध्यम से बच्चों में नैतिक मूल्यों और वैदिक संस्कारों का विकास किया जा सकता है। आर्य समाज सेक्टर-14 एवं जिला वेद प्रचार मंडल सोनीपत के संयुक्त तत्वावधान में आर्य समाज परिसर में वैदिक आध्यात्मिक समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में महात्मा वेदमुनि, ईश्वर दयाल शर्मा, दीपक तलवार, हरि चन्द स्नेही, सुदर्शन आर्य, धर्मपाल मलिक, दीक्षा आचार्या, रमेश आर्य वेद प्रचार अधिष्ठाता तथा ब्रह्मचारीगण सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में पूर्णाहुति के साथ समारोह का समापन हुआ।

## पुरुषोत्तम मास में दीपदान, भक्ति और कीर्तन का विशेष महत्व : रघु कुमार

- इस्कॉन प्रचार समिति ने पुरुषोत्तम मास में गुड़ मंडी क्षेत्र में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल किया प्रभु का गुणगान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से पुरुषोत्तम मास में रविवार को गुड़ मंडी क्षेत्र में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी की शुरुआत सुबह जाट कॉलेज के पास मास्टर रामतीर्थ के निवास स्थान पर तुलसी पूजन व दीपदान के साथ की गई। इसके बाद प्रभातफेरी शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई इस्कॉन प्रचार केंद्र में संकीर्तन के साथ संपन्न हुई। रघु कुमार दास ने श्री हरि की महिमा का बखान करते हुए बताया कि जो श्रद्धालु पुरुषोत्तम मास में भगवान को दीपदान, उनकी भक्ति एवं कीर्तन करते हैं, तो उन्हें आम दिनों के अपेक्षा हजारों गुना ज्यादा पुण्य मिलता है। यदि कोई भगवान के भक्तों की निंदा करता है या कोई अपराध करता है, तो उसे कई गुणा दंड मिलता है। हमें किसी की निंदा, चुगली नहीं करनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा भगवान की भक्ति, कीर्तन, प्रचार में समय लगाना चाहिए। उन्होंने बताया कि भागवत गीता के 15वें अध्याय अनुसार मनुष्य को पुरुषोत्तम योग का भी नियमित पाठ करना चाहिए। प्रभातफेरी में कृष्ण कृपा दास, सहदेव प्राण दास, ईश्वर चंद्र गौड़, शालिग्राम दास, कृष्ण कुमार गर्ग, सुंदर सिंह, जगदीप पांचाल, कृष्ण पांचाल, जयप्रकाश, रामसेवक दास, बृज नारद दास, अर्जुन, सरस्वती, कीर्ति, देवदासी, फाल्गुनी देवी, सरोज आदि रहे।

खरखौदा। मेधावी छात्राओं को सम्मानित करते विधायक पवन खरखौदा।

### धनपत साध की स्मृति में छात्रवृत्ति वितरण समारोह

**खरखौदा।** हिंदी सत्याग्रह आंदोलनकारी, गोरक्षक एवं समाजसेवी धनपत साध की 22 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर खरखौदा में यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य राजेश रहे। जबकि विधायक पवन खरखौदा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की और स्वर्गीय धनपत साध के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने हिंदी सत्याग्रह आंदोलन एवं गोरक्षा आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। सामाजिक एकता, जनजागरण और राष्ट्रहित के कार्यों में उनकी सदैव अग्रणी भूमिका रही। उन्होंने बताया कि हिंदी सत्याग्रह आंदोलन के दौरान धनपत साध को रोहतक एवं अंबाला की जेलों में भी जाना पड़ा था। उन्होंने कहा कि समाज को उनके संघर्षपूर्ण एवं प्रेरणादायी जीवन से प्रेरणा लेकर सेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में आगे बढ़ना चाहिए। इस बीच जग उत्थान खेल शिक्षा समिति द्वारा गांव रोहणा की तीन मेधावी छात्राओं- साक्षी, मुस्कान व स्वेता को छात्रवृत्ति प्रदान कर सम्मानित किया गया। भारतीय तिब्बत सहयोग मंच के महामंत्री सुशील शास्त्री ने यज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यज्ञ भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो समाज में सद्भाव, सहयोग और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

### क्लास-1 और 2 की नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण मांगा

**गोहाना।** गोहाना में ओबीसी रोडवेज कर्मचारियों की बैठक हुई। नेतृत्व राज्य महासचिव रामनिवास पांचाल ने किया। मुख्य वक्ता राज्य प्रधान सुभाष योगी ने कहा कि ओबीसी कर्मचारियों को क्लास-1 और 2 की नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। कर्मचारियों को पदोन्नति में भी आरक्षण दिया जाए और रोस्टर सिस्टम लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि ओबीसी रोडवेज महासभा अपनी लंबित मांगों को पूरा करवाने के लिए कई बार मंत्रियों को ज्ञापन दे चुकी है, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। बैठक में 4 जून को सिरसा डिपो की ओबीसी कर्मचारी महासभा गठित करने के कार्यक्रम का निमंत्रण भी दिया गया।

## गर्मी में मदीना के ग्रामीणों ने छबील लगाकर बुझाई राहगीरों की प्यास

- मानवता की सेवा करना एक पुण्य का कार्य, सेवा करना हमारा नैतिक दायित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। छबील लगाकर लोगों की प्यास बुझाते हुए गांव मदीना के ग्रामीण।

बढ़ती गर्मी को देखते हुए रविवार को गांव मदीना में गोहाना-महम मार्ग पर कच्चे दूध से बनी लस्सी की छबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाई। इस सेवा भाव को देखकर राहगीर खुश नजर आए और छबील पर सेवा दे रहे ग्रामीणों को शुभकामनाएं दी। गांव मदीना के ग्रामीणों द्वारा ज्येष्ठ माह की भीषण गर्मी में प्रति वर्ष छबील लगाकर लोगों की प्यास बुझाई जाती है। इसी क्रम में ग्रामीणों ने रविवार को छबील लगाकर लोगों की प्यास बुझाई। छबील पर गांव मदीना निवासी भारतीय कुश्ती महासंघ प्रोटोकॉल कमेटी के चेयरमैन देवेंद्र शर्मा, साहिल शर्मा, दीपक सेक्रेट्री, अंकित शर्मा, पंडित पाले राम, प्रमोद मलिक यूपी पुलिस, सुखबीर शर्मा, पंडित राजा, मंजीत शर्मा, पवन मलिक, अरविंद शर्मा, नीटू मलिक, बीजे मलिक, अशोक शर्मा, सोनू शर्मा, राकेश शर्मा, बबला मलिक, संदीप पहलवान,मोहित, अरविंद, आर्यन, अमन, राकेश, तारा और हरिओम ने अपनी सेवा दी।

## भदाना समारोह में विद्यार्थियों, खिलाड़ियों और पूर्व सैनिकों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। खिलाड़ियों, मेधावियों व पूर्व सैनिकों को सम्मानित करते ऋषिपाल।

युवा मंडल गांव भदाना के तत्वावधान में गायत्री महायज्ञ प्रतिभा सम्मान समारोह एवं भंडारे का आयोजन में किया गया। धार्मिक स्थल दादा समाधा में आयोजित गायत्री महायज्ञ के ब्रह्मा रमेश आर्य थे। वैचारिक क्रांति के राष्ट्रीय कवि लेखक ऋषिपाल भदाना के साथ युवा मंडल के अध्यक्ष सोनू शर्मा, सरपंच मुकेश देवी , कर्मवीर फौजी, रणबीर, कैप्टन रतन सिंह, फौजी भूप सिंह, रविंद्र सहित बड़ी संख्या में उपस्थित व्यक्तियों ने गांव की सुख शांति के लिए यज्ञ में आहुति दी। इस दौरान गांव के 98 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों व गांव पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। ऋषिपाल भदाना ने अपने संदेश में कहा कि इंसान जन्म से नहीं कर्मों से महान बनता है। इसलिए इंसान को अच्छे कर्मों के लिए प्रयास करना चाहिए। कहने की जरूरत नहीं कि प्रयास सफलता की पहली सीढ़ी है। उन्होंने अपनी सामाजिक, देशभक्ति स्व रचित कविताओं के माध्यम से उपस्थित जनों को भारतीय संस्कृति से रूबरू कराया व उसे बचाने की अपील की। युवा मंडल के अध्यक्ष सोनू शर्मा ने कहा कि प्रतिभाएं देश की शान होती हैं, इन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करना जरूरी है।

गन्नौर। पंचधुनी तपस्या पूर्ण होने पर सुशील नाथ जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करते भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक।

### भोगीपुर में पंचधुनी तपस्या पूर्ण होने पर लगाया भंडारा

**गन्नौर।** गांव भोगीपुर राजलू स्थित गुरु गोरखनाथ मंदिर में रविवार को सुशील नाथ जी महाराज की ज्येष्ठ माह की पंचधुनी तपस्या पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हवन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर धर्म लाभ लिया और महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक ने विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने सुशील नाथ जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि संत समाज भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है। सुबह हवन यज्ञ के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसके बाद श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महंत चमननाथ महाराज एवं बाबा बोलिया नाथ महाराज सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे।

### पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की जिला कमेटी का चुनाव संपन्न

**सोनीपत।** हरियाणा गर्वनमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच की जिला कमेटी सोनीपत का त्रिवार्षिक चुनाव रविवार को पब्लिक हेल्थ ब्रांच यूनियन कार्यालय, लघु सचिवालय के निकट जलघर परिसर में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया राज्य उपाध्यक्ष धर्मराज घणघस, राज्य उपप्रधान जगबीर हुड्डा और राज्य प्रेस प्रवक्ता विनोद शर्मा की देखरेख में आयोजित की गई। चुनाव में सभी शाखाओं के कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से विष्णु दत्त भारद्वाज को जिला चेयरमैन, सुरेंद्र सिंह को जिला प्रधान, लहणा सिंह को सचिव मनोनित किया गया।

खरखौदा। स्मृति चिन्ह देकर अतिथि सम्मान करते संदीप पाराशर।

### पं. जयकिशन की पुण्यतिथि पर किया रक्तदान

**खरखौदा।** गांव कंवाली में पंडित जयकिशन सेवा समिति, माँ भारती रक्तवाहिनी और यू के सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में भूतपूर्व सरपंच पंडित जयकिशन की पांचवीं पुण्यतिथि पर भारतीय सेना के लिए रक्तदान शिविर एवं भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय सेना की रक्तकोष टीम के स्वागत के साथ हुआ। माँ भारती रक्तवाहिनी के आजीवन सदस्य मनीष नैन की स्केटिंग टीम, देशभक्ति गीत-संगीत, ग्रामीणों द्वारा पुष्पवर्षा व फूल-मालाओं के माध्यम से सेना जवानों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके पश्चात स्वर्गीय पंडित जयकिशन को श्रद्धांजलि अर्पित कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एमएसएमई एवं पीसीआई चेयरमैन संदीप पाराशर द्वारा किया गया। वे प्रतिवर्ष न केवल अपने पूज्य पिता की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह आयोजित करते हैं बल्कि सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर योगदान देते हैं। सम्मान समारोह में प्रदेशभर से अनेक गणमान्य एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। संदीप पराशर ने अतिथियों, सामाजिक संस्थाओं एवं प्रबुद्धजनों का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

## सब हेल्थ सेंटर बनने से लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी

# शहजादपुर में विधायक कादियान ने 62 लाख के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। नए ट्यूबवेल की आधारशिला रखने के दौरान उपस्थित विधायक देवेंद्र कादियान।

गांव शहजादपुर में गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादियान ने करीब 62 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने 55 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सब हेल्थ सेंटर तथा 7 लाख रुपये की लागत से स्थापित होने वाले नए ट्यूबवेल की आधारशिला रखी। विधायक ने कहा कि सब हेल्थ सेंटर बनने से गांव व आसपास के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर मिल सकेंगी। वहीं नया ट्यूबवेल शुरू होने से पेयजल आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी और ग्रामीणों को स्वच्छ पानी उपलब्ध होगा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की समस्याओं से विधायक को अवगत कराया। विधायक ने संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है।विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। सब हेल्थ सेंटर बनने से गांव और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर मिल सकेंगी। इससे मरीजों को छोटे उपचार और स्वास्थ्य परामर्श के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर कृष्ण कुमार, बलजीत, राजेश, जगदीश, राधेमोहन, महेंद्र, गौरव, अश्वनी सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

## न्यूज डायरी

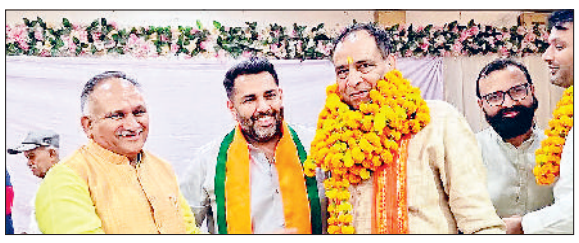

### भाजपाइयों ने सुना पीएम का 'मन की बात' कार्यक्रम

**सोनीपत।** मुरथल रोड स्थित मामचंद वाटिका में रविवार को पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, विधायक निखिल मदान, मेयर राजीव जैन, भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज तथा पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने भारत की वैज्ञानिक विरासत, खगोल विज्ञान के क्षेत्र में देश की प्राचीन परंपराओं तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छत्तीसगढ़ के मल्हार में प्राप्त दुर्लभ ताम्र पट्टिकाओं का उल्लेख करते हुए देश की समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने खेल जगत में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियों की भी सराहना की।

### लड्डू प्रसाद बांटा के साथ शीतल जल पिलाया

**गोहाना।** श्री सति भाई साईं दास सेवा दल द्वारा रविवार को मासिक प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया और नींबू की शीतल शिकंजी पिलाई गई।श्री सति भाई साईं दास डेरा कलानौर के गद्दीनशीं महंत भाई रामसुख दास महाराज की प्रेरणा से मासिक पूर्णमासी पर लड्डू व कढ़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया गया और नींबू की शिकंजी पिलाई गई। यह कार्यक्रम शहर में मुख्य गुरुद्वारे के बाहर आयोजित किया गया। अध्यक्षता हरीश चुघ ने की। और संयोजन कंवल चुघ व नरेंद्र सिंधवानी का रहा। कूड़ा न फैले इसलिए डिस्पोजल के स्थान पर स्टील के गिलास उपयोग में लिए गए। कार्यक्रम में हरीश सिंधवानी, हार्दिक चुघ, भावुक सिंधवानी, भावुक चुघ, युवी, आनंद, रोहित वधवा, सौरभ सिंधवानी, भव्य चोपड़ा, उमंग वधवा, मोक्ष कथूरिया, जयंत कथूरिया, अंश गाबा आदि मौजूद रहे।

### अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर किया नमन

**गोहाना।** रविवार को गांव गुढा में अहिल्याबाई होल्कर की जयंती मनाई गई। आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में नागरिकों ने अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य वक्ता मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा मालवा की शासिका देवी अहिल्याबाई होल्कर ने न केवल राजकाज संभाला बल्कि पूरे भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव को भी पुनर्जीवित किया। अहिल्याबाई होल्कर देश को सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने वाली राजमाता थी। वह अपनी प्रजा के प्रति निष्ठा, अद्भुत प्रशासनिक, क्षमता, न्यायप्रियता और देशभर में हिंदू मंदिरों के जीर्णोद्धार जैसे महान कार्यों के कारण लोक माता के रूप में प्रसिद्ध हुई। समारोह के अध्यक्ष सेन भगत धर्मशाला महासभा गोहाना के महासचिव जगमहेंद्र सिंह बाजवान ने की।

### गोशाला परिसर में स्टील की दो टंकियां लगाईं

**गोहाना।** रविवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर राष्ट्रीय वैदिक परमार्थ ट्रस्ट द्वारा खानपुर मोड के निकट संचालित गोशाला में कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां पर गोवंश के लिए आहार व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। गोशाला परिसर में लगभग डेढ़ लाख रुपये की लागत से स्टील की दो टंकियां स्थापित की गईं, जिनका उपयोग खल, चोकर और अन्य पोषक सामग्री को मिगोकर स्वच्छ तरीके से तैयार करने के लिए किया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष रामेश्वर दास सैनी ने कहा कि टंकियों से पशु आहार स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक बना रहेगा। कार्यक्रम में बबिता गर्ग और खुशी गुप्ता अपनी माता संगीता गुप्ता के साथ गोशाला पहुंचीं और 10,200 रुपये का सहयोग दिया। पंडित बिजेंद्र सिंह पंडित ने गौ पूजन कराया। इस मौके पर भूपेंद्र सिंह, अशोक आर्य, आजाद सिंह डांगी, डा. मनोज, डा. दीपक, गुलाब सैनी, कलावती देवी, बलराज सैनी और सोना उपस्थित रहे।

### सांस्कृतिक मूल्यों को सहेज कर रखना हमारा कर्तव्य

**गोहाना।** बरोदा हलका विधायक इन्दुराज नरवाल (भालू) रविवार को गांव बनवासा, दुराना और रूखी में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पहुंचे। विधायक ने कार्यक्रमों में संत-महात्माओं से आशीर्वाद लिया। इंदुराज नरवाल ने कहा कि हमारे सांस्कृतिक मूल्यों से ही पूरे विश्व में हमारी पहचान श्रेष्ठ है। अपनी इस पहचान को बनाए रखने के लिए हमें अपने सांस्कृतिक मूल्यों को सहेज कर रखने की जरूरत है। यह हमारा कर्तव्य ही नहीं अपितु अपनी संस्कृतिक के प्रति जिम्मेदारी भी है। क्षेत्र के गांव बनवासा में जय दादा बड़ वाले मंदिर में महंत योगी बाबा शंकर नाथ महाराज द्वारा ज्येष्ठ मास की तपती गर्मी में 41 दिवसीय पचधूनी तपस्या और गांव बरोदा ठुठान स्थित महासति माता छत्रेश्वरी मंदिर में महाराज सिद्धेश्वर द्वारा 21 दिवसीय 51 धूनों की अखंड तपस्या सम्पन्न की गई है।

### शीतला माता मंदिर बिधलान में भक्तों ने हवन किया

**खरखौदा।** उपमंडल के गांव बिधलान के शीतला माता मंदिर में हवन-यज्ञ के साथ देसी घी के भंडारे का आयोजन किया गया।जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। गांव की बुजुर्ग महिलाओं ने 20 वर्ष पहले बुढ़ापा पैंशन से देसी घी के हलवे का भंडारा शुरू किया था। तब से प्रतिवर्ष देशी घी का भंडारा आयोजित किया जा रहा है, जिसमें समस्त ग्रामवासियों का सहयोग रहता है। भंडारे से पहले हवन-यज्ञ करवाया गया। इसके बाद भंडारा शुरू किया गया, जो शाम तक चला। युवाओं ने मीठे पानी की छबील लगाकर पुण्य कमाया। इस भंडारे में महिलाओं का विशेष योगदान रहा। जिन बुजुर्ग महिलाओं ने इस भंडारे को शुरू किया था, उनमें से इस समय कोई भी जीवित नहीं है। रामानन्द महराज और कृष्ण दास महाराज ने भजनोपदेश किए। महिलाएं प्रतिदिन मंदिर में भजन कीर्तन करती हैं और हर महीने पूर्णिमा को स्वयं हवन करती है। ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा को हवन और भंडारे का आयोजन किया जाता है।

**सोनीपत।** स्टेशन पर हस्ताक्षर अभियान के दौरान युवाओं में जागरूकता लाने के लिए शपथ दिलाते सड़क सुरक्षा संगठन के संयोजक संदीप बत्रा।

**सोनीपत।** स्टेशन पर हस्ताक्षर अभियान के दौरान हरिभूमि समाचार पत्र की प्रतियां दिखाकर प्रयास की सराहना करते सड़क सुरक्षा संगठन के संयोजक संदीप बत्रा व युवा।

**सोनीपत।** स्टेशन पर हस्ताक्षर अभियान के दौरान विधायक निखिल मदान के साथ मौजूद हरिभूमि टीम।

*दैनिक हरिभूमि समाचार पत्र ने सोनीपत के रेलवे स्टेशन पर चलाया हस्ताक्षर अभियान*

# हस्ताक्षर कर सामाजिक जिम्मेदारी का किया निर्वहन, तंबाकू उत्पादों के बहिष्कार की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दैनिक समाचार पत्र हरिभूमि की ओर से विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर हर वर्ष की भांति रविवार को लोगों में जागरूकता लाने के लिए सोनीपत स्टेशन परिसर में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान में लोगों ने सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए पट्ट पर हस्ताक्षर किए, वहीं गजब का उत्साह दिखाते हुए तंबाकू उत्पादों के बहिष्कार की मांग उठाई। इस दौरान लोगों को शपथ भी दिलाई गई कि वह जीवन में कभी तंबाकू का प्रयोग नहीं करेंगे, उत्पादों की रोकथाम में पूर्ण सहयोग करेंगे। विधायक निखिल मदान, नगर निगम मेयर राजीव जैन, पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार भी अभियान का हिस्सा बनें। उन्होंने लोगों से तंबाकू उत्पादों से दूर रहने का आह्वान किया। सोनीपत स्टेशन पर सुबह 7 बजे हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत से ही जागरूकता में हिस्सेदारी निभाने वाले लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। अवकाश के बावजूद स्टेशन परिसर में आवागमन करने वाले करीब 10 हजार से ज्यादा लोगों ने हरिभूमि के अभियान की सराहना की। साथ ही हजारों लोगों ने हस्ताक्षर अभियान से जुड़कर तंबाकू उत्पादों के सेवन से दूसरी बनाने का संकल्प लिया। इनमें महिलाओं के साथ युवा व बच्चे भी शामिल रहे। कुछ प्रबुद्धजनों ने हस्ताक्षर पट्ट पर स्लोगन लिखकर लोगों में जागरूकता की अलख जगाने का प्रयास किया।

## नारी शक्ति ने खूब की तारीफ

बागपत से योग एवं सेल्फ डिफेंस ट्रेनर सुमेधा के साथ स्वाति, समीक्षा, तन्नु, निशा, आराध्या, लड्डू व अंशु ने अभियान में शामिल होकर हस्ताक्षर किए। उन्होंने बताया कि समाज को नशा के रूप में तंबाकू उत्पाद मुक्त बनाने में सरकार के साथ समाज की भी सक्रिय सहभागिता जरूरी है। तंबाकू उत्पाद सामाजिक बुराई के साथ शरीर के लिए भी हानिकारक हैं। हमें मिलकर इसके खिलाफ लड़ने की जरूरत है। हमें एकजुट होकर ऐसे अभियान के साथ जुड़ना चाहिए। इस प्रकार के कार्यक्रम से लोगों खासकर युवाओं के मन में सकारात्मक संदेश जाता है। इस प्रयास को आगे बढ़ाना चाहिए।

## नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता उद्देश्य

हरिभूमि समाचार पत्र की इस मुहिम के माध्यम से हम युवाओं को नशे से बचाने में सफल होते हैं, तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। हस्ताक्षर अभियान का लक्ष्य युवाओं व समाज को तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर नशा मुक्त समाज की स्थापना की दिशा में कदम बढ़ाना है। अभियान युवाओं में सकारात्मक बदलाव लाने का एक प्रयास है।

## तंबाकू छोड़ना मुश्किल जरूर, लेकिन इसके बिना जिंदगी कहीं ज्यादा खूबसूरत

**सोनीपत।** हस्ताक्षर अभियान के दौरान जीआरपी थाना की मुंशी सरिता देवी के साथ अन्य पुलिसकर्मी।

### जागरूकता लाना आवश्यक : जीआरपी कर्मी

तंबाकू के प्रति समाज में जागरूकता लाना अत्यंत आवश्यक है। अगर सरकार तंबाकू युक्त उत्पाद तैयार करने वाली कंपनियों को बंद कर दें, तो यह बाजार में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे। ऐसे में अगर कहीं से ब्लैक होगा, तो काफी महंगा होगा, जिससे तंबाकू उत्पादों की पहुंच समिति हो जाएगी। देश में तंबाकू सेवन से होने वाली मृत्यु दर सबसे ज्यादा है। इतने भयंकर आंकड़ें देखने और पता होने के बावजूद जब लोग तंबाकू का प्रयोग करते हैं, तो वह खुद मौत को गले लगा रहे होते हैं। खासकर युवाओं से यहीं आह्वान है कि तम्बाकू छोड़कर जीवन को चुनें।

## छोटी बच्ची के हस्ताक्षर ने खींचा सबका ध्यान

हरिभूमि के हस्ताक्षर अभियान में सभी लोगों का ध्यान उस समय ज्यादा अपनी ओर आकर्षित किया, जब एक छोटी बच्ची ने अपने अभिभावकों का हाथ छोड़कर पट्टिका पर हस्ताक्षर कर अभियान का हिस्सा बनी। मौजूद सभी लोगों ने बच्ची को सोच को काफी सराहा।

**सोनीपत।** स्टेशन पर अभियान के दौरान विधायक निखिल मदान के साथ हस्ताक्षर करने के बाद तंबाकू उत्पादों का विरोध करते लोग।

## महिलाएं व युवा बोले - तंबाकू उत्पादों पर प्रतिबंध अनिवार्य

हस्ताक्षर अभियान में गणमान्य लोगों सहित हर वर्ग के साथ खासकर महिला व युवा वर्ग की ज्यादा भागीदारी रही। वहीं महिला वर्ग ने भी हस्ताक्षर करते हुए तंबाकू उत्पादों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने की मांग की। महिलाओं ने बताया कि विदेशों की तरह हमारे देश के युवा भी अब सड़कों पर सरेआम सिगरेट फूंकते, तंबाकू युक्त पान मसाला जैसे उत्पादों का सेवन करते नजर आ रहे हैं। जहां पहले हरियाणा की पहचान दूध-दही से होती थी, आज प्रदेश का युवा भी तंबाकू उत्पादों से नशे की दलदल में घसीटता जा रहा है। कुछ युवाओं ने अपने अनुभव भी सांझा किए। इनमें सोनीपत की आकृति, स्नेहा, सोफिया, सेक्टर-15 से राजूल, समायरा, याना, देव नगर से प्रवीण झांब, आदित्य, दीपांशी, पिनाना से विक्की, ऋतिक, सान्वी, पूजा शामिल हुईं।

## संदीप बत्रा ने दिलवाई युवाओं को शपथ

हस्ताक्षर अभियान में सड़क सुरक्षा संगठन के संयोजक संदीप बत्रा ने पहुंचकर युवाओं को तंबाकू युक्त उत्पादों से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को प्रण दिलाया गया कि हम नशे से दूर रहकर ही समाज व देश तरक्की की राह पर अग्रसर हो सकते है। खासकर युवाओं के कंधों पर ही देश का भविष्य टिका हुआ है, लेकिन युवा नशे की ओर बढ़कर अपने लक्ष्य से भटक रहा है। जब हम नशे रूपी तंबाकू उत्पादों के खिलाफ आवाज उठाने की शुरुआत अपने आप व घर से करेंगे, तो धीरे-धीरे प्रदेश व देशभर में इस आवाज को बुलंद किया जा सकेगा।

### *25 प्रतिशत सीख लें, तो नई दिशा को होगा प्रयास : मदान*

*तंबाकू जानलेवा है। हम लोग इसे जानते हैं, लेकिन मानते नहीं है। तंबाकू के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हरिभूमि हर वर्ष प्रयास करता है, जोकि सराहनीय कार्य है। तंबाकू का सेवन अनेकों जानलेवा बीमारियों का कारक है। तंबाकू से कई तरह की शारीरिक बीमारियां और शरीर में तरह-तरह के कैंसर हो सकते हैं। तंबाकू व धूम्रपान से हो रहे विभिन्न प्रकार के कैंसरों में विश्व में मुख का कैंसर सबसे ज्यादा होता है। अभियान के तहत शपथ लेते हुए हस्ताक्षर करने वाले अगर 25 प्रतिशत लोग भी तंबाकू से किनारा कर लें, तो यह समाज को नई दिशा देने का प्रयास होगा। हरिभूमि की टीम को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं।*

*-निखिल मदान, विधायक, सोनीपत*

### *जिंदगी जीने के लिए, इसे मौत का रूप न दें: जैन*

*तंबाकू व्यक्ति के जीवन ही नहीं, उसके परिवार को भी खत्म कर देता है, लेकिन लोग इसका त्याग नहीं कर पा रहे। जिंदगी जीने का नाम है, तो क्यों इसे मौत का रूप देने पर आतुर हैं। जानते हुए कि तंबाकू आपकी जिंदगी के जरूरी पल को कम करता है। इसके बावजूद इसका सेवन करना गलत है। तंबाकू के कारण करीब 45 लाख लोग प्रतिवर्ष हृदय रोग से पीड़ित होते हैं, 40 लाख लोग प्रतिवर्ष फेफड़े से संबंधित बीमारियों से ग्रस्त होते हैं। इसके बावजूद भी लोग इसके सेवन से परहेज नहीं कर रहे। इस तरह के अभियान से हरिभूमि का लोगों को जागरूक करना एक सराहनीय पहल है। यह गंभीर विषय है। इसके खिलाफ एकजुट होना आवश्यक है।*

*-राजीव जैन, मेयर, नगर निगम सोनीपत*

### *मौत का पैगाम होता है तंबाकू : पूर्व विधायक पंवार*

*आने वाली पीढ़ी को तंबाकू के उत्पादों के सेवन से बचाने के लिए एकजुट होकर मुहिम चलाने की आवश्यकता है, तभी हम आने वाली पीढ़ी को सुनहरा भविष्य दे सकते हैं। हरिभूमि का प्रयास काबिले तारीफ है, जो सामाजिक बुराई पर लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है। तंबाकू पहले धीरे-धीरे व्यक्ति को अपनी आगोश में लेता है। इसके सेवन से शारीरिक, बौद्धिक क्षति के साथ ही आर्थिक हानि भी होती है। वर्तमान में बुजुर्गों, युवा वर्ग के साथ महिलाएं भी इसके सेवन से पीछे नहीं है। खासकर युवाओं के कंधों पर ही देश का भविष्य टिका हुआ है, लेकिन युवा तंबाकू उत्पादों के सेवन की ओर बढ़कर अपने लक्ष्य से भटक रहा है।*

*-सुरेंद्र पंवार, पूर्व विधायक, सोनीपत।*

## छोड़ो तंबाकू, बदलो आदत : गोयल

छोड़ो तंबाकू, बदलो आदत, जिंदगी देगी आपको सलामत! तंबाकू सिर्फ एक आदत नहीं, कैंसर का खुला निमंत्रण है। अपने लिए न सही, अपने परिवार की मुस्कान के लिए आज ही इसे अलविदा कहें। आइए मिलकर भारत को तंबाकू और कैंसर मुक्त बनाएं। सामाजिक दृष्टि से तंबाकू अभिशाप है। इसके सेवन से व्यक्ति अपने साथ आसपास के लोगों के लिए कई बीमारियां पैदा करता है। आज जरूरी है कि तंबाकू का प्रयोग बिल्कुल न हो।

**-डॉ. अरुण कुमार गोयल, चेयरमैन, सर्जिकल ओंकोलोजी, एण्ड्रोमेडा कैंसर अस्पताल**

## ये मजा शरीर के लिए बन जाता है सजा

तंबाकू का सेवन करना ऐसी लत है, जो बड़ी बीमारी का रूप कब ले लेती, आपको पता ही नहीं चलता। पहले आप मजे में इसका सेवन करते है, लेकिन जल्द ही ये मजा, आपके शरीर के लिए सजा बन जाता है। इसलिए इस जानलेवा आदत को आज ही छोड़ना जरूरी है। तंबाकू आप किसी भी रूप में इस्तेमाल करें, सभी जानलेवा ही है। अगर आप धूम्रपान करते हैं, तो ये आपके आसपास मौजूद लोगों के लिए भी नुकसानदायक है। जिंदगी में स्वस्थ आदतें चुननी चाहिए। इस तरह की जानलेवा आदत को अलविदा कहें।

**-राकेश कुमार जैन, प्रधान, जैन विद्यामंदिर सीनियर सैकेंडरी स्कूल, सोनीपत**

## हरिभूमि ने उठाया सराहनीय कदम

तंबाकू जानलेवा है, सभी लोग इसे जानते हैं, लेकिन स्वीकार करने को कोई तैयार नहीं है। यही कारण है कि लोग इन उत्पादों के सेवन से तंबाकू की गिरफ्त में आ रहे हैं। इस बीच जागरूकता फैलाने का जो बीड़ा हरिभूमि परिवार वर्षों से उठाए हुए है, वह सराहनीय कदम है। अगर इस अभियान से कुछ लोग जागरूकता की राह पर चलकर अन्य लोगों को प्रेरित करते है, तो जल्द समाज को नई दिशा मिल सकती है। *-राजीव मिश्रा, एडमिन मैनेजर, अपोलो इंटरनेशनल स्कूल बड़ी।*

**धुएं में मत ढूंढ़ो सुकून, यह सिर्फ सांसों को कमज़ोर और जिंदगी को करता है अधूरा**

# नशा छोड़ना हार नहीं, बल्कि नई जिंदगी की शुरुआत

### अभियान चलाना समाज के लिए अच्छा

हरिभूमि की पहल सराहनीय है। इस तरह के सामाजिक सोद्देश्य के साथ अभियान चलाना समाज के लिए अच्छा है। लोगों को भी समझना चाहिए कि तंबाकू किस हद तक नुकसानदायक है। जब लोग ये समझेंगे, तब ही तंबाकू का सेवन करना छोड़ेंगे। धूम्रपान हो या तंबाकू चबाना, कोई भी आदत सेहत के लिए ठीक नहीं है। आज के समय में वैसे ही वातावरण में इतना जहर है। इसके बावजूद अगर आप धूम्रपान करते हैं, तो खुद ही मौत को न्यौता देते हैं। स्वयं व परिवार के लिए इन आदतों का त्याग जरूरी है।

**-अखिल कौशिक, लाइब्रेरियन लर्निंग यार्ड**

### शरीर को धीरे-धीरे कर देता है खोखला

तंबाकू की लत बेहद ही खतरनाक है। इसके बारे में आज बच्चा-बच्चा भी भली भांति जानता है। तंबाकू उत्पाद व्यक्ति के शरीर को धीरे-धीरे खोखला करते हैं। हालांकि सेवन करने वालों को भी किसी न किसी स्टेज पर जाकर इसे छोड़ना ही पड़ता है। फिर चाहे डॉक्टर के कहने पर छोड़े या फिर मौत से जूझते हुए जिंदगी के आखिरी पलों में छोड़े। ऐसे में अगर व्यक्ति समय रहते इनका त्याग कर दें, तो वह अपने जीवन को सुखमय बना सकता है। तंबाकू उत्पादों का परित्याग किए बिना स्वस्थ शरीर की कल्पना बेकार है।

*- डॉ. वंदना मलिक, हिंदी विभाग प्रमुख, जीवीएम कन्या महाविद्यालय।*

### परिवार को भी तबाह कर रहा नशा

तंबाकू उत्पाद हमारे जीवन के लिए सामाजिक खतरा है, जो धीरे-धीरे हमारी जिंदगी को खराब करते हैं। व्यक्ति के साथ परिवारों को भी तबाह कर रहे हैं। इसके बावजूद कुछ लोग इसको छोड़ने को राजी नहीं है। उम्मीद है कि अभियान से ज्यादातर लोग अच्छी सीख लेंगे।

*-आदित्य व दीपांशी, सोनीपत*

### परिवार को भी तबाह कर रहा नशा

लोगों को जागरूक करने के साथ तंबाकू उत्पादों का कारोबार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होना जरूरी है। जब तक बाजार में इनकी बिक्री जारी रहेगी, सभी लोगों को इनके सेवन से नहीं रोका जा सकेगा। सरकार को इन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना चाहिए।

*-मोनिका, पूनम, मनीषा,*

### *दृढ़ संकल्प, प्रयास और पहल जरूरी*

*तंबाकू का सेवन मनुष्य के लिए हानिकारक है। यह मानव जाति के हर वर्ग को अपनी चपेट में लिए हुए हैं। मनुष्य चाहे तो इससे मुक्ति पा सकता है, लेकिन इसके लिए दृढ़ संकल्प, प्रयास व पहल जरूरी है। इसके बिना इसका त्याग असंभव है।*

*-विक्की, ऋतिक व सान्वी, गांव पिनाना*

### चित्रकला प्रतियोगिता और रैली से दिया नशामुक्त समाज का संदेश

**सोनीपत।** विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर मंगलम सारथी फाउंडेशन एवं नागरिक अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और आमजन को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। संस्था संस्थापक लक्की रोहिल्ला ने उपस्थित बच्चों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए तंबाकू से होने वाली गंभीर बीमारियों और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। कार्यक्रम के तहत बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने तंबाकू के नुकसान और स्वस्थ जीवन से जुड़े प्रेरणादायक चित्र बनाकर जागरूकता का संदेश दिया। मानसिक स्वास्थ्य विभाग की ओर से बच्चों को ड्राइंग शीट एवं रंग उपलब्ध कराए गए। डिप्टी सीएमओ योगेश गोयल तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने तंबाकू सेवन से होने वाले कैंसर, हृदय रोग और फेफड़ों की बीमारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के बाद जागरूकता रैली निकाली गई।

### गलत आदत का परित्याग जरूरी

जब तक युवा शक्ति खुद इस गंभीर व गलत आदत का परित्याग नहीं करेगी, तब तक दूसरों को प्रेरित नहीं किया जा सकता। तंबाकू का सेवन कैंसर को जन्म देता है। इस बारे में सभी अच्छे से परिचित हैं, फिर भी जानबूझकर जानलेवा बीमारियों का आह्वान किया जा रहा है।

### बड़ों का कहना मानकर दूसरों को करें प्रेरित

माता-पिता ने तंबाकू उत्पादों के बारे में बताया है। इनके सेवन से शरीर में कई बड़ी बीमारियां हो सकती है। हमारा फर्ज बनता है कि अब बड़ों का कहना मानकर दूसरों को भी ऐसी गलत चीजों से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। **-सोफिया, सोनीपत**

### नशे का खात्मा करने की लें शपथ

वर्तमान में बुजुर्ग ही नहीं, अपितु युवा वर्ग व महिलाएं भी बड़ी संख्या में तंबाकू उत्पादों का सेवन करने लगी हैं। इनका सेवन युवाओं का शौक बनता जा रहा है, जो इसकी गिरफ्त घिरने लगे हैं। हमें अभियान से यह शपथ लेनी चाहिए कि हम मिलकर इसके खात्मे के लिए आगे बढ़ेंगे।

*-प्रमोद कटारिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, क्राइम कंट्रोल एंड ह्युमन राइटस*

### हरिभूमि के प्रयास में दें सहयोग

विश्व तंबाकू निषेद्य दिवस पर हरिभूमि की ओर से किया गया यह प्रयास बेहद प्रशंसनीय है। हरिभूमि के इस प्रयास में हमें भी अपना सहयोग देना चाहिए, ताकि मानव जाति को इस जहर के सेवन से बचाया जा सके। *-प्रवीण, देव नगर, सोनीपत*

### तंबाकू छोड़कर स्वस्थ जीवन अपनाएं

बदलती जीवनशैली के साथ अधिक से अधिक युवा इस सच्चाई को जानने के बाद भी इसके आदी हो रहे हैं। सर्जरी के जरिए कई तरह के कैंसर का इलाज तो हो जाता है, लेकिन ताउम्र उसकी सजा भुगतनी पड़ती है। इसीलिए तंबाकू को छोड़कर स्वस्थ जीवन अपनाएं।

*-रिटायर्ड कर्नल डॉ. अमिक गर्ग, सोनीपत*